हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

5

जबलपुर, रविवार 7 सितंबर 2025

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

जिला स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह में शिक्षक मंगल दास टाडिया का हुआ सम्मान

भुआबिछिया। 05 सितंबर 2025 शिक्षक दिवस के उपलक्ष में मंडला जिले का कार्यक्रम नारायणगंज विकासखंड मुख्यालय मै आयोजित किया गया कार्यक्रम इस अवसर पर मुख्य अतिथि क्षेत्रीय सांसद फगनसिंह कुलस्ते एवं अन्य जनप्रतिनिधियों की गरिमा में उपस्थिति और डीके सिंह गौर के मार्गदर्शन में भव्यता पूर्वक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें बिछिया विकासखंड से शिक्षक मंगल दास टांडिया, सतेंद्र सिंह गौर, नैन सिंह,का शाल श्री फल से सम्मान किया गया इस अवसर पर जिले स्तर के इस कार्यक्रम में श्री टांडिया ने भी कार्यक्रम में बिछिया से अपनी सह भगिता दर्शाते हुए शिक्षक सम्मान समारोह में सभी संबोधित किया और समस्त शिक्षक जगत को गौरवान्वित किया।

मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश की कानून-व्यवस्था एवं नक्सल उन्मूलन के गतिविधियों की समीक्षा की

मण्डला। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश की कानून-व्यवस्था की स्थिति एवं नक्सल उन्मूलन के लिए चल रही गतिविधियों की समीक्षा की एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एनआईसी कक्ष मण्डला से कलेक्टर सोमेश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक रजत सकचेला, सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

गाजे-बाजे के साथ चली श्री गणेश की विसर्जन यात्रा

नम आंखों से दी गजानन को विदाई

* जगह-जगह हुये हवन एवं भण्डारे।

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

10 दिनी गणेशोत्सव के बाद कल श्रद्धालुओं ने अपने घरों में विराजित भगवान गजानन को नम आंखों के साथ श्रद्धापूर्वक विदाई दी। सार्वजनिक रूप से विराजित प्रतिमाओं को भी बाजे-गाजे के साथ ले जाकर उनका विसर्जन किया गया और यही कामना की गई कि सभी के विघ्नहर्ता श्री गणेश सभी पर कृपा करें और अगले वर्ष यह उत्सव पुनः जल्द आये। गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन का यह सिलसिला देर रात तक जारी रहा कल भी नगर के प्रमुख गणेश पंडालों में विराजित गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन जुलूस निकलेगा जिसे देखने लोगो की भारी भीड़ सड़कों पर मौजूद रहेगी।

गणेश उत्सव समितियों के द्वारा स्थापित भगवान गणेश की विधि विधान से पूजन पाठ की जा रही है। यहां पर रोजाना भंडारा प्रसादी वितरण किया जा रहा है। नगर में जगह-जगह भगवान गणपति की प्रतिमा विराजमान की गई है। शनिवार से विसर्जन का दौर आरंभ हुआ है।

विसर्जन जुलूसों को लेकर उत्सुकता कायम

पिछले वर्षो की तुलना में इस वर्ष सार्वजनिक गणेशोत्सव समितियों की संख्या में इजाफा हुआ है और न केवल भव्य गणेश प्रतिमायें स्थापित की गई हैं बल्कि उन पण्डालों की सजावट भी देखने लायक रही है।

नगर के हृदय स्थल उदयचौक के राजा की बात करें तो यहां का भव्य पण्डाल नगर ही नहीं पूरे जिले के लोगों के बीच आकर्षण का केन्द्र रहा है पूरे 10 दिन उदयचौक के राजा के दर्शन के लिये श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जमा होती रही।

इसी तरह प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी रेडक्रास का गणेशोत्सव चर्चा का केन्द्र रहा भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान का बढ़ता प्रभाव और भारतियों की अंतरिक्ष में सफलता को दर्शाता हुआ गणेशोत्सव जिसमें रॉकेट लॉचर की सजीव झांकी सजाई गई और ऑपरेशन सिंदूर में विशेष भूमिका निभाने वाली दोनों महिला सेनानियों का कटआउट न केवल आकर्षण का केन्द्र रहा बल्कि छात्र-छात्राओं के लिये एक सबक भी साबित हुआ।

कुल मिलाकर पूरे 10 दिन राष्ट्र प्रेम एवं देशभक्ति के साथ गणपति की आराधना की गई। इसी कड़ी में पुलिस लाईन में पुलिस की बर्दी पहने हुये गणपति विराजित किये गये जिनका पूरे 10 दिन भक्ति भाव एवं अनुशासन के साथ पूजा-पाठ हुआ।

विसर्जन जुलूस सोमवार को निकलेगा इसके पीछे रविवार को चूंकि ग्रहण पड़ेगा यह बड़ा कारण है लिहाजा सार्वजनिक गणेशोत्सव समितियों के विसर्जन जुलूस सोमवार को ही विभिन्न झांकियों के साथ निकाले जायेंगे। निश्चित रूप से सोमवार को सड़कों पर भक्तों की एवं श्रद्धालुओं की भारी भीड़ नजर आने वाली है विसर्जन जुलूसों में जिस तरह के करतब एवं झांकियों को शामिल करने की बात कही जा रही है वह आकर्षण का केन्द्र है साथ ही विभिन्न तरह के बैण्ड भी लोगों का मन लुभाने वाले हैं।

कान्हा टायगर रिजर्व में हाथी रिजुविनेशन केम्प का समापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

विगत अनेक वर्षों से कान्हा टायगर रिजर्व में विभागीय हाथियों का सफलतापूर्वक प्रबंधन किया जा रहा है। इन हाथियों में कुछ को देश के विभिन्न क्षेत्रों से लाया गया है, जबकि कुछ की जन्मस्थली स्वयं कान्हा राष्ट्रीय उद्यान है। प्रारंभ से ही इन हाथियों का उपयोग वनों एवं वन्यप्राणियों की सुरक्षा हेतु गश्ती कार्य में किया जाता रहा है, जबकि कालांतर में इनका उपयोग पर्यटन प्रबंधन में भी किया जाने लगा है।

हाथियों के स्वास्थ्य परीक्षण एवं समुचित रख-रखाव के उद्देश्य से प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले रिजुविनेशन केम्प का आयोजन इस वर्ष भी दिनांक 31 अगस्त 2025 से 6 सितम्बर 2025 तक मुक्की परिक्षेत्र के अंतर्गत औरई मैदान में किया गया, जिसका समापन आज दिनांक 6 सितम्बर 2025 को सम्पन्न हुआ।

इस कैम्प का उद्घाटन दिनांक 31 अगस्त 2025 को कान्हा टायगर रिजर्व के क्षेत्र संचालक रवीन्द्र मणि त्रिपाठी, भा.व.से., द्वारा पारंपरिक विधि से हाथियों का सम्मान करते हुए किया गया।

रिजुविनेशन केम्प के दौरान 17 विभागीय हाथियों की विशेष देखभाल की गई। इस अवधि में सभी महावत एवं चाराकटर न केवल हाथियों की सेवा में संलग्न रहे, बल्कि उन्हें पूर्ण विश्राम भी प्रदान किया गया। हाथियों को अतिरिक्त पोषण जैसे खुराक, विटामिन्स, मिनरल्स तथा मौसमी फल-फूल आदि परोसे गए। साथ ही, हाथियों की सेवा में लगे समस्त महावतों एवं चाराकटरों का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया।

प्रत्येक दिवस चाराकटर द्वारा प्रातः हाथियों को जंगल से लाकर स्नान कराया जाता था और फिर केम्प में लाकर उनके पैरों में नीम तेल तथा सिर में अरण्डी तेल से मालिश की जाती थी। तत्पश्चात उन्हें केला, मक्का, अनानास, नारियल आदि खिलाकर पुनः जंगल में छोड़ा जाता था। दोपहर में पुनः हाथियों को लाकर स्नान एवं मालिश कर रोटी, गुड़, नारियल, पपीता आदि खिलाए जाते थे और फिर जंगल में छोड़ा जाता था।

इस केम्प के दौरान हाथियों के रक्त के नमूने जांच हेतु लिए गए। साथ ही, उनके नाखूनों की ट्रेसिंग, पेट के कृमियों की दवा से सफाई तथा हाथियों के दांतों की आवश्यकतानुसार कटाई की गई।

ऐसे केम्प के आयोजन से न केवल हाथियों में नई ऊर्जा का संचार होता है और उन्हें मानसिक विश्राम मिलता है, वही इन सामाजिक प्राणियों को एक साथ समय बिताने का अनोखा अवसर भी प्राप्त होता है।

जमाअत-ए-इस्लामी वूमेंस विंग ने मरीजों को वितरित किए फल

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

पैगम्बर ए इस्लाम हज़रत मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की 1500वीं यौमे पैदाइश जश्न ए ईद मिलादुन्नबीस्र के मुबारक मौके पर जमाअत-ए-इस्लामी की वूमेंस विंग की जानिब से जिला चिकित्सालय में मरीजों को फल वितरित किए गए। इस मौके पर जमाअत-ए-इस्लामी की वूमेंस विंग के साथ- साथ गर्ल्स इस्लामिक ऑर्गनाइजेशन (जीआईओ) और चिल्ड्रंस इस्लामिक ऑर्गनाइजेशन (सीआईओ) के सदस्य भी मेल सर्जिकल-मेडिकल, फीमेल सर्जिकल-मेडिकल, वृद्धजन, शिशु व प्रसूता वार्ड में फल वितरित करते नज़र आये।

इस मौके पर चाइल्डर्स इस्लामिक ऑर्गनाइजेशन की ज़िया गौहर खान ने कहा कि अल्हम्दुलिल्लाह, आज रबीउल अव्वल के इस मुक़द्दस महीने में, जब पूरी दुनिया हज़रत मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की सीरत और उनकी तालीमात को आम करने का जज़्बा रखती है, उसी सिलसिले को आगे बढ़ाते हुए जमाअत-ए-इस्लामी की वूमेंस विंग की जानिब से आज मंडला के सरकारी अस्पताल में एक ख़ास मुहिम चलायी गई। इस मुहिम का मक़सद यह है कि हम अपने नबी की रहमत, उनकी रहनुमाई और इंसानियत के लिए उनके बेहतरीन उसूलों को अमल में लाएँ और लोगों तक पहुँचाएँ। हम सब जानते हैं कि हमारे प्यारे नबी हज़रत मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने हमेशा बीमारों की अयादत (मुलाक़ात) करने, उनकी देखभाल करने और उनके साथ ख़ैरख़्वाही करने की तालीम दी। इसी अमल को सामने रखते हुए हम यहाँ मरीज़ों के पास आए हैं, उनके लिए फलों का इंतज़ाम किया है, ताकि हम अपने नबी की उस रहमत की झलक पेश कर सकें जो उन्होंने पूरी इंसानियत के लिए दिखाई।

हर्षोल्लास और भक्ति भाव के साथ हुआ श्री गणेश का विसर्जन

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/भुआबिछिया

10 दिवसीय श्री गणेश उत्सव का आज अनन्त चतुर्दशी को हवन पूजन भंडारे के साथ भक्ति भाव और उत्साह के साथ नगर के राममंदिर के सामने एनीकट सरोवर में विसर्जित किए गया, इस वर्ष नगर में घर परिवार में सबसे ज्यादा स्थापना की गई थी, वही , भुआ राममंदिर रोड खिरखा मोहल्ला वार्ड नंबर 14, बेयर हाउस बिछिया खेरमाई मंच ब्लाक कालोनी भुआ रोड मुक्ती मार्ग, जतीपुर, इंद्रा कालोनी सहित नगर के अनेक स्थानों पर शालाओं विद्यालय विद्यामंदिर में भगवान श्री गणेश की स्थापना की गई थी, जिनका आज भक्ति भाव के साथ भुआ राममंदिर सरोवर में विसर्जन किया गया। कल अनन्त चतुर्दशी पर सभी जगह सुबह से शुभ मुहूर्त में ही हवन पूजन किया गया और उसके बाद विसर्जन शुरू हो गया कारण की कल रविवार 7 सितंबर को चंद्र ग्रहण होने कारण आज ही विसर्जन करने की अनिवार्य पंडितों ने बताई ग्रहण काल में विसर्जन ना हो इस कारण आज देर रात तक विसर्जन का दौर चलता रहा। इस वर्ष नगर परिषद द्वारा राममंदिर सरोवर के पास विशेष तैयारी की गई है वहीं सुरक्षा व्यस्था भी की गई साथ ही विसर्जन के लिए नौका बिहार हेतु नौका बनाई गई है जिससे कोई असुविधा न हो।

शिक्षक दिवस

कम वेतन और जी तोड़ काम के बाद भी भविष्य की कोई गारंटी नहीं।

निजी विद्यालयों के शिक्षकों की कौन समझेगा पीड़ा

* गाहे-बगाहे प्रताड़ित होते शिक्षक

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

पद एक ही जैसा लेकिन वेतन और सुविधाओं में जमीन आसमान का अंतर इसके साथ ही काम एवं जिम्मेदारियां में भी असमानता यदि कहीं नजर आती है तो वह शिक्षक का पद है जी हां सरकारी स्कूलों के शिक्षकों एवं निजी स्कूल के शिक्षकों की यदि तुलना की जाए तो यही बात स्पष्ट रूप से नजर आती है सरकारी स्कूल के शिक्षकों को वर्तमान में अच्छा खासा वेतन मिल रहा है कुछ एक जिम्मेदार शिक्षकों को यदि छोड़ दिया जाए तो अधिकांश शिक्षक अपनी जिम्मेदारियां एवं कर्तव्यों के प्रति कितने जिम्मेदार हैं यह कहने की बात नहीं और इस व्यवस्था को बेहतर बनाने जिन अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है वे भी कहीं ना कहीं मूल रूप से शिक्षक ही होते हैं लिहाजा चाह कर भी कड़े कदम नहीं उठा पाते वहीं जिला प्रशासन के अधिकारी भी इस ओर कार्यवाही करने से परहेज करते हैं एक बार कोई शिक्षक के रूप में पदस्थ हो गया तो फिर उसे कोई हिला नहीं पाता फिर चाहे वह पढ़ा रहे हो या ना पढ़ा रहे हो समय पर स्कूल आते हो अथवा ना आते हों अन्य जिम्मेदारियां का निर्वहन ईमानदारी से कर रहे हो अथवा ना कर रहे हो इसे लेकर कभी कोई कवायद जिला प्रशासन की ओर से नहीं की जाती हम हमारे जिले की ही बात करें तो यहां ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में जो असमानताएं हैं वह वर्षों से ऐसी ही चली आ रही है और जिला प्रशासन की ताकत नहीं कि वह इसे ठीक कर सके शहरी क्षेत्र में आवश्यकता से अधिक शिक्षक तो ग्रामीण स्कूलों में शिक्षकों की भारी कमी सीधा सा गणित है जो जहां पदस्थ है उसे वहां भेजो क्योंकि वेतन भी उस शिक्षक का वहीं से निकल रहा है और शासन के निर्देशों पर अमल करते हुए संलग्निकरण पूरी तरह से प्रतिबद्ध किया जाए लेकिन इतनी सी बात आज तक इन वरिष्ठ अधिकारियों के समझ में नहीं आई या फिर चाह कर भी समझने का प्रयास नहीं कर रहे।

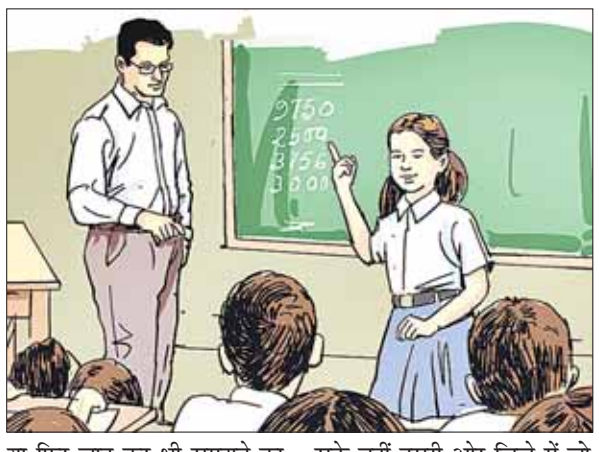

छात्रावासों की ही बात करें तो वहां वर्षों से जो जमा है तो जमा है काम के लिए इन अधीक्षकों ने दूसरों पर काम पर लगा रखा है और खुद पूरी व्यवस्था के ठेकेदार बन गए हैं छात्रावासों की दुर्दशा हो रही है शासकीय आवंटन की लूट मची है और इन गलतियों के चलते मासूम बच्चों को अपनी जान तक गंवाना पड़ रही है लेकिन मजाल है कि जिला प्रशासन इस व्यवस्था को ठीक कर पाने की हिम्मत जुटा सके वहीं दूसरी ओर जिले में जो निजी विद्यालय हैं या शालाएं हैं कभी वहां का प्रबंधन देखिए वहां की शिक्षा व्यवस्था देखिए वहां काम के प्रति समर्पण देखिए तो इन दोनों परिस्थितियों में कितना अंतर है यह नजर आएगा निजी विद्यालयों में पदस्थ शिक्षक शिक्षिकाएं जहां मामूली वेतन पर पूरी मुस्तैदी से कार्य करते हैं अध्यापन कार्य के अलावा स्कूल प्रबंधन शाला में होने वाली विभिन्न गतिविधियों का संचालन एवं छुट्टी के दिनों में नए बच्चों के प्रवेश करने की जिम्मेदारी भी इन्हीं के कंधों पर होती है छुट्टी के समय का वेतन नहीं मिलता कहीं-कहीं तो ज्यादा वेतन पर हस्ताक्षर कराए जाते हैं लेकिन मिलता मामूली ही है भविष्य को लेकर कोई निश्चिंतता नहीं होती जब भी प्रबंधन का मूड खराब हुआ और शिक्षकों की नौकरी खतरे में पड़ी यहां तक की उन विद्यालयों में भी यही स्थिति है जहां के समिति संचालक प्रशासनिक अधिकारी होते हैं प्रत्येक वर्ष शिक्षकों की ज्ञान परीक्षा लेना इंटरव्यू करना उसके बाद उन्हें अध्यापन की अनुमति देना यदि इंटरव्यू सही नहीं तो नौकरी से बाहर जाने का खतरा स्कूलों में बच्चों की संख्या कम न होने पाए इसकी जिम्मेदारी भी उनकी प्रत्येक माह भरपूर फीस वसूली होनी चाहिए इसकी भी चिंता उन्ही की और मौके बे मौके डांट खाना तो इनकी नियति बन चुकी है समितियों में शामिल सदस्यों का व्यवहार ऐसा होता है जैसे वे ही इन्हें पाल रहे हो या इन्हीं की बदौलत यह शिक्षक शिक्षिकाएं जीवित हैं मानसिक प्रताड़ना का आलम यह है कि इन शिक्षकों की गृहस्थी प्रभावित होती है उनके बच्चों की सही से परवरिश नहीं हो पाती इन सब के बावजूद यह शिक्षक न केवल पूरी ईमानदारी एवं निष्ठा के साथ उस संस्था की भलाई एवं उसके नाम के लिए दिन-रात मेहनत करते हैं वहीं सरकारी तंत्र में तो सरकारी दामादों की तरह शिक्षकों की स्थिति है इस विरोधाभास के बीच प्रशासन की क्या भूमिका होनी चाहिए? जनप्रतिनिधियों को भी इस दिशा में मानवीय दृष्टिकोण के साथ ध्यान देना चाहिए स्वयं सेवी संस्थाओं एवं सामाजिक संस्थाओं को भी इस दिशा में ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है क्योंकि शिक्षक तो शिक्षक ही होता है उसे शासकीय या निजी विद्यालयों दोनों जगह बराबर का सम्मान मिलना चाहिए वेतन इतना तो हो कि जिससे न केवल उसका बल्कि उसके बच्चों का भविष्य भी सुरक्षित हो सके शिक्षक दिवस के मौके पर शिक्षकों के प्रति शायद शासन प्रशासन की ओर से यही तोहफा हो सकता है कि वे दोनों में भेद न करते हुए बराबरी का हक दिलाने में उनकी मदद करें।

विभाजित पुनर्गठित सहकारी समितियों के अध्यक्षों को नहीं दिया जा रहा प्रमाण पत्र

मण्डला। किसानों की सहूलियत के लिए सरकार के द्वारा बहुउद्देशीय सहकारी समितियों का विभाजन कर पुनर्गठन किया गया है जिससे किसानों को आसानी से ऋण, बीज, खाद आदि सेवाएँ उपलब्ध करायी जा सके। इसके लिए सरकार की मंशा के अनुरूप आमसभा आयोजित कर प्रस्ताव पारित करते हुए मण्डला जिले में भी लगभग 20 समितियों का पुनर्गठन किया गया है। अध्यक्ष भी नियुक्ति कर दिए गये हैं लेकिन तीन माह बीत जाने के बाद भी सहकारिता विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा प्रमाण पत्र नहीं दिए जा रहे हैं जिसके चलते आगे की कार्यवाही नहीं हो पा रही है और नवनियुक्त अध्यक्ष अपने आप को ठगा हुआ समझ रहे हैं। इससे पीड़ित हिरदेनगर लेम्पस से विभाजित अमगवाँ समिति के अध्यक्ष अभिषेक ठाकुर (शेरा) द्वारा सीएम हेल्पलाईन में शिकायत दर्ज कराते हुए मॉग की गई है कि शीघ्र प्रमाण पत्र प्रदाय किए जायें जिससे नवगठित सहकारी समितियों का संचालन कृषकों के हित में किया जा सके।

कार्यालय ग्राम पंचायत धौरगांव जनपद पंचायत, जिला मण्डला म.प्र.

क्रमांक/ग्रा.पंचा. 2025-26 दिनांक.....2025

-: निविदा सूचना :-

समस्त निविदा कर्ताओं को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में ग्राम पंचायत के समस्त पक्के निर्माण कार्यों के लिए लोहा, सीमेन्ट, रेत, गिट्टी, दरवाजा, खिड़की आदि सामग्री की सप्लाई हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक निविदाकर्ता वेण्डर/सप्लायर जिसकी फर्म का जीएसटी रजिस्टर्ड हो निविदा प्रकाशित दिनांक से 7 दिवस के अंदर कार्यालीन दिवसों में बंद लिफाफे में अपना निविदा ग्राम पंचायत कार्यलयीन समय पर प्रस्तुत कर सकते हैं। प्रदाय बिल में जीएसटी टिन वाले बिल देना अनिवार्य होगा एवं प्रदाय की जाने वाली सामग्री के देयक में टी.डी.एस. कटौती कर राशि का भुगतान किया जायेगा। अधिक जानकारी के लिए कार्यालय ग्राम पंचायत धौरगांव में सम्पर्क करें।

सरपंच
ग्राम पंचायत धौरगांव
जनपद पंचायत मंडला

सचिव
ग्राम पंचायत धौरगांव
जनपद पंचायत मंडला

खबर संक्षेप

डॉक्टर एक मरीज अनेक, लड़खडाई स्वास्थ्य सेवाएं

हरिभूमि न्यूज/सालचौका। जहां एक ओर प्रदेश सरकार द्वारा लोगों के अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं देने की बात कहते हुये आये दिन अनेक प्रकार की योजनाएं शुरू कर कर रही है। मगर कहा जाता है कि जब शासकीय स्वास्थ्य केन्द्रो में डाक्टर ही नही होगे तो फिर वह सेवाओं का लाभ लोगों को कैसे मिल पायेगा? इस बात की सच्चाई इस समय स्थानीय स्वास्थ्य केन्द्र में देखने मिल रहा है, जहां पर बताया जाता है कि वर्तमान में चल रहे मौसम के अजीब खेल के दौरान लोग बीमारियों से पीड़ित होते हुये देखे जा रहे है, जिसके चलते मरीजो की संख्या तो दिनों दिन बढ़ रही है। मगर मरीजों की समस्या कम नही हो रही सालीचौका स्वाथ्य केन्द्र से लगभग सैकड़ों गांव लगे हुए है जहां पर दूर दूर से लोग यहां इलाज कराने आते है। लेकिन सालीचौका स्वास्थ्य केन्द्र में डाक्टरों की कमी के चलते मरीज बेहद परेशान हो रहे है। वही दूसरी ओर देखा जाता है कि कई मरीजों का समय पर इलाज नहीं होने के कारण उन्हें प्राइवेट डाक्टरों से इलाज कराने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। इस स्थिति के चलते आम लोगों का कहना है कि मरीज जब गांव से यहां पर इलाज कराने के लिए पहुंचता है तो उसे भटकने के शिवा कुछ हासिल नही होता है। क्योंकि इन दिनों चल रही मौसम के कारण मरीजो की संख्या में लगातार बढ़ोत्तरी होते हुये देखी जा रही है। जिसके चलते उनको खासी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यहां पर डाक्टरों की कमी के चलते लोगों को न तो समय पर इलाज मिल पाता है और न ही शासन की योजनाओं का लाभ जिसके चलते स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर सरकार द्वारा चलाई जाने वाली सेवाये मात्र दिखाबा साबित होने से नही चूक रही है।
सालीचौका क्षेत्र की भौगोलिक स्थित व जनता पर गौर किया जावे तो स्वास्थ्य केन्द्र में मात्र एक ही डाक्टर होने से जब कोई एम.एल.सी. या पोस्ट मार्टम आ जाता है तो यहा की स्वास्थ्य व्यवस्था बिलकुल लड़खड़ा जाती है। क्योकि एक डाक्टर मरीजों को देखे एम.एल.सी. या पोस्ट मार्टम करे ऐसे समय में कई मरीज ईलाज के आभाव में ही बाहर चले जाते है, जिससे बीमार मरीज अपने इलाज के इंतजार में जिन्दगी और मौत के बीच झूलता रहता है। आमजन का कहना है कि यदि सरकार द्वारा आमलोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य सेवाओं के लिए योजनाएं चलाई जा रही है तो स्वास्थ्य केन्द्रों में डाक्टरों की नियुक्ति करना भी उनका कार्य है।

महिला को लाठी मारते हुये चोट पहुंचाई

गाडरवारा। सालीचौका पुलिस चौकी से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस गाडरवारा बाबा टोला निवासी एक महिला द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब वह बीते हुये दिनों अपने मायके ग्राम छैनाकछार गई हुई थी उसी दौरान ग्राम छैनाकछार निवासी हर्षित नामक युवक मिला और गंदी गंदी गालिया देने लगा। जब प्रार्थिया द्वारा गाली देने से मना किया तो आरोपी द्वारा लाठी से मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई व जान से मारने की धमकी दी गई।

पत्थर से मारपीट कर चोट पहुंचाई

गाडरवारा। जगदीश वार्ड निवासी एक युवक द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया हे कि जब वह नगर के नये बस स्टेन्ड पान खाने के लिये गया हुआ था उसी दौरान बिन्डा मुहल्ला निवासी शिवम उर्फ टीना कहार नामक युवक मिला और गंद गंदी गालिया देते हुये पत्थर से मारपीट कर चोटे पहुंचाई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

चले रे चले ओ मोरे गणराजा.. ग्यारह दिन करके मेहमानी चले...

प्रशासन की मौजूदगी में सार्वजिनक स्थानों सहित घर घर स्थापित गणेश प्रतिमाओं का कुंड में हुआ विसर्जन

आज दूसरे दिन भी जारी रहेगा शेष रही गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन सिलसिला ..

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। लगातार 11 दिनों तक शहर में गणेशोत्सव की धूम रहने के बाद कल शनिवार को समापन होने से शहर में शांति, श्रद्धा का मिला जुला माहौल देखने में आया है। इस वर्ष लोगों ने बडे ही धूमधाम के साथ गणेशस उत्सव मनाते हुये लगातार 11 दिन तक नगर पूर्णरूप से धर्म नगरी में परिवर्तित हो चुका था। इस प्रकार से विसर्जन दिवस पर मुख्य रूप देखा गया कि लोगों के घरों में युवाओं, बच्चो व किशोरों में गणपति बप्पा मोरे बप्पा से बिछुड़ने की उदासी जहां साफ देखने में आ रही थी। वही भगवान श्रीगणेश की वंदना के स्वरों से समूचा नगर धर्ममय होते हुये दिखाई देने से नही चूक रहा था। जिसके चलते कल शनिवार को अनंत चतुर्दशी की बेला में नगर में लोगों के घरों में रिद्वी सिद्वी के दाता भगवान श्रीगणेश की पूजन, आरती, हवन, कन्या भोज, भजन कीर्तन के कार्यक्रमों की धूम प्रातः 10 बजे से प्रारम्भ हो गयी थी। इस प्रकार से नगर में लोगों के घरों व जहां तहां स्थापित प्रतिमाओं के जुलूस बडी ही धूमधाम से निकाले गये और शक्कर नदी में प्रशासन द्वारा बनाये गये विसर्जन कुंड में गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन का सिलसिला शुरू हुआ जो देर रात तक जारी रहा। बताया जाता है कि कल शनिवार को नगर पालिका अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा व मुख्य नगर पालिका अधिकारी वैभव देशमुख सहित अन्य पार्षदों की मौजूदगी में विसर्जन कुंड का विधि विधान के साथ पूजन करते हुये प्रथम मूर्ति का खुद के हाथों से विसर्जन करते हुये श्रीगणेश किया गया। इसके उपरांत प्रतिमाओं के विसर्जन का सिलसिला शुरू हुआ और नगर के लोगों द्वारा अपने घरों व सार्वजनिक स्थानों पर स्थापित किये गये गणेश भगवान को नगर की जीवन रेखा शक्कर नदी किनारे बनाये गये विर्सजन कुंड में विसर्जन करने के लिये ले जाने का सिलसिला चलते हुये देखा गया। यह बात अलग है कि कुछ लोगों गणेश प्रतिमाओं को विसर्जन करने के लिये नर्मदा जी भी ले गये है। चले रे चले ओ मोरे गणराजा 11 दिन करके मेहामानी करके चले..... की धुनों के बीच बच्चों व युवको को अपनी प्रतिमाएं विसर्जन करने के लिये ले जाते हुये देखने मिलने का सिलसिला देर शाम तक चलता रहा। वही दूसरी ओर प्रशासन के आदेश पर स्थानीय नगर पालिका प्रशासन द्वारा नगर की शक्कर नदी छिडाव घाट के पास बनाये गये विसर्जन कुंड में प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में घर घर सहित सार्वजनिक जगहों पर स्थापित की गई गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। यहां पर नगर के आलवा ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित की गई प्रतिमाओं को भी लोग मोटर साईकिल या फिर अन्य प्रकार के वाहनों से लेकर पहुंचे जिनको विसर्जन कुंड की व्यवस्थाओं के लिये तैनात किये गये बालेन्टियरों द्वारा बनाये गये स्टालों पर पूजन के उपरांत प्रतिमाओं को विसर्जित कराया गया। वही कुछ लोगों द्वारा अपने ही घरों में बाल्टियों में पानी भरते हुये छोटी गणेश प्रतिमाओं को विसर्जन करते हुये उस बाल्टी के पानी को तुलसी कोट या फिर शुद्व स्थलो डालते हुये गणपति बप्पा मोर्या अगले वर्ष तू जल्दी आ के गगन भेदी नारे के साथ बिदाई दी गई। इस तरह गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के दौरान शहरवासी भगवान गजानन की आखिरी झलक देख उन्हे प्रणाम कर मंगल मूर्ति से अगले बरस जल्दी आने की प्रार्थना कर रहे थें। वही शाम ढलते ही जनभावनाओं का सम्मान करते हुए नगर की जीवन रेखा माने जाने जाने वाली शक्कर नदी के किनारे सिड्डियों पर नपा प्रशासन द्वारा निर्मित कराये गये विशेष विसर्जन कुंड में भगवान श्रीगणेश की प्रतिमाएॅ विसर्जित करने का जो सिलसिला शुरू हुआ है। वह देर शाम तक जारी रहा तथा जिन घरों में स्थापित की गई प्रतिमाओं का विसर्जन शेष रह गया है। वह आज रविवार को भी जारी रहने की उम्मीद है..? इस प्रकार गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन को लेकर बनाई गई व्यवस्था पर जहां गणेश भक्तों में हर्ष देखने मिल रहा था। क्योंकि इस बार लगातार हो रही बारिश के चलते नदी के जल स्तर में बढ़ोत्तरी की संभावना के चलते प्रशासन द्वारा अच्छी व्यवस्था बनाई गई है। वही दूसरी ओर प्रशासन की मौजूदगी में नदी के ओर गणेश प्रतिमाओं को लेकर जाने वाले लोगों पर पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा विशेष निगरानी रखी जा रही थी। इस तरह नपा द्वारा बनाये गये गणेश विसर्जन कुंड में लोगों नगरवासियों को गणेश प्रतिमाओं को विसर्जन करते हुये देखा गया। वही दूसरी ओर गणेश विसर्जन स्थल पर देखा गया कि बड़ी संख्या में श्रद्धालु, जन प्रतिनिधि, अनुविभागीय अधिकारी के आलवा डी.एस.पी. रत्नेश मिश्रा तथा नगर निरीक्षक विक्रम रजक द्वारा डियूटी पर लगाये गये पुलिस बल सहित नपा प्रशासन टीम पूरे समय मौजूद देखी गई। इस प्रकार गणेश प्रतिमा विसर्जन के प्रथम दिवस यानि की कल शनिवार को समाचार लिखे जाने तक सभी छोटी बड़ी मिलाकर 300 के लगभग मूर्तियों का विसर्जन होने की जानकारी मिली है। इसी प्रकार से क्षेत्र के सालीचौका, सांईखेड़ा, चीचली, कौडिया, कल्याणपुर, खुलरी, भौरझिर, पलोहाबड़ा, बारहाबड़ा, सडूमर सहित अन्य जगहों पर भी शांति पूर्ण तरीके से गणराज की प्रतिमओं का विसर्जन देर रात तक चलते हुये देखा गया।

पितृपक्ष की शुरूआत आज, पितरों को तर्पण करने शक्कर नदी में पहुंचेंगे लोग

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। हिन्दू धर्म में पूर्वजों का स्मरण कर उनकी आत्मा को तृप्त करने का जो विधान शास्त्रों में है, उसके तहत हिन्दू धर्मावलंबी हर वर्ष पितृपक्ष में अपने पितरों को पानी, भोजन देकर उनका श्राद्व कर पितरों की आत्माओं को शांत कर उनका आर्शीवाद लेते है। बताया जाता है कि सनातन काल में पितृपक्ष की परम्परा के अनुसार आज रविवार को भाद्र पक्ष की पूर्णिमा से पितृपक्ष प्रारंभ हो रहा है जिसके दौरान घरों के वातावरण में जहां पूर्वजों की यादों से भरी हुई परछाई डोलती रहेगी। वही घरों में लोगों द्वारा अपने पितरों को जल तर्पण करने के साथ साथ कागौर निकालने व दान पुण्य करने का सिलसिला शुरू हो जायेगा। इस संबंध में शहर के बुद्विजीवी पंडितो ने अपनी जानकारी देते हुए बताया है कि बैसे पूर्णिमा इस वर्ष पूर्णिमा की तिथि पर चंद्रग्रहण होने के चलते लोगों में पितृ पक्ष शुरू करने की अलग अलग राय देखी जा रही है। इस तरह से पितृपक्ष के 15 दिनों तक पितरों की सेवा करने का विशेष महत्व इसलिए होता है। क्योंकि पितृपक्ष में हमारे पूर्वजो की आत्माएं मृत्यु लोक में भ्रमण करती है, जिनको तृप्त करने से मनुष्य की विघ्न व बाधाएं समाप्त हो जाती है। वही बताया गया है कि इस वर्ष पितृ पक्ष विशेष योगों में पड़ रहे है जिसके चलते इन योगों में लोग पूजा, दान व खरीदारी कर सकते है। वही लोगों का कहना है कि शक्कर नदी में पितरों को जल तर्पण करने के लिए पितृपक्ष के दौरान प्रायः अधिकतर लोग पहुंचते है तथा ब्राम्हणों के मंत्रोचरण के बीच नगर की शक्कर नदी के पानी में गंगा, जमुना व नर्मदाजी का जल मिलाकर पितरों को जल अर्पित किया जाता है, लिहाजा नपा को चाहिए कि वह जनहित में अमावस्या तक शक्कन नदी के छिडाव घाट की नियमित साफ सफाई व्यवस्थाएं कराने की दिशा में पहल करे जिसके चलते अपने पूर्वजों को याद करते हुए नदी में जल तर्पण करने वाले लोगों को किसी भी प्रकार की परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर न होना पड़े। इस संबंध में नगर पालिका अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा द्वारा जानकारी के दौरान बताया गया है कि पितर पक्ष के दौरान नगर की शक्कर नदी छिड़ाव घाट पर जल तर्पण करने के लिये पहुंचने वाले लोगों की व्यवस्था को ध्यान में रखते हुये नपा के सफाई विभाग को सख्त आदेश जारी किये गये है वह सुबह जल्द पहुंचकर वहां पर साफ सफाई करते हुये कीट नाशक पावडर का छिड़काव लगातार 15 दिन तक करते रहे। इस व्यवस्था में किसी भी प्रकार से कोई लापरवाही स्वीकार नही की जावेगी।

ग्रामीण क्षेत्रों में निकाले गये गणेश प्रतिमाओं का निकला विसर्जन जुलूस

हरिभूमि न्यूज/सडूमर।

गणेश उत्सव की धूम शहरों के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी देखने मिली। इस तरह लगातार 11 दिनों के उपरांत जब विसर्जन का समय आया तो निश्चित तौर से लोगों की आंखों में बप्पा से विछड़ने की उदासी का नजारा साफ दिखाई दे रहा था। यह सर्व विदित है कि हर साल गणेश चर्तुथी पर स्थापित होने के बाद अनंत चतुदर्शी को गणेश प्रतिमाओं का विजर्सन होता है। मगर जब चतुर्थी के मौके पर बच्चें गणेश प्रतिमा को लेने जाते है तो उनके चेहरे की रौनक कुछ और ही तरह की देखने मिलती है। मगर जब लम्बोदर की प्रतिमा को विसर्जन के लिये ले जाते है तो उत्साह के जगह मासूसी दिखाई देने से नही चूकती है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई शनिवार को ग्राम सडूमर, लिलवानी, पटना, भौरझिर, खुलरी सहित गांव गांव स्थापित की गई गणेश प्रतिमाओं को विजर्सन के दौरान दिखाई देने से नही चूक रही थी। इस तरह ग्राम के सार्वजनिक स्थानों के आलवा लोगों द्वारा अपने घरों में स्थापित की गई गणेश प्रतिमाओं की जहां लगातार 11 दिनों तक खूब उत्साह के साथ पूजन अर्चन करते हुये अनेक प्रकार के आयोजन किये गये। मगर जब मंगलवार को उनसे जुदा होने का समय आया तो हर व्यक्ति की आंखों में बप्पा से बिछड़ने का दुख साफ तौर से दिखाई देने से नही चूक रहा था। इस तरह मायूसी के बीच ग्राम में गणेश विसर्जन प्रतिमाओं को जुलूस सुबह से ही निकलना शुरू गये थें जो शाम तक जारी रहे। वही दूसरी जहां तहां गणपति बप्पा मोरिया.., अगले बरस तू जल्दी आ के नारे गूंजते हुये सुनाई दे रहे थें।

शहरों के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी मुस्लिम भाईयों द्वारा शांतिपूर्वक निकाला गया पैगम्बर साहब के जन्म दिवस का जुलूस

हरिभूमि न्यूज/सडूमर।

मुस्लिम समुदाय द्वारा हजरत मोहम्मद साहब का जन्म दिवस जश्ने ईद मिलादुन्नबी शहरों के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी बडे.ही हर्षोल्लाह के साथ मनाई गई । इस मौके पर ग्राम सडूमर, लिलवानी, खुलरी में मुस्लिम भाईयों ने अपने धर्म स्थलों को बडे ही अच्छी तरह से सजाते हुये जश्ने ईद मिलादुन्नवी खुशनुमा अंदाज में मनाते हुए मोहम्मदी जुलूस निकाला गया जो ग्राम के मुख्य मार्गो से निला गया। वही दूसरी ओर इस जूलूस को शांति पूर्वक संपन्न कराने के लिये पलोहा पुलिस मौके पर मौजूद रही। वही जुलूस का समापन पर सलाम पढ़ने के बाद वतन की खुशहाली एकता भाईचारे के लिए दुआए खेर की गई एवं तबर्रुक तकसीम किया गया।

एक माह पहले अधिकारियों ने जल संरक्षण करने के लिये चलाई मुहिम, अब सरकारी जल स्त्रोतों बर्बादी के नजारे खड़े कर रहे सवाल

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। जहां लगभग एक माह पहले संपूर्ण जिले के अधिकारियों द्वारा आम लोगों को जल संरक्षण का संदेश देते हुये जहां तहां बोरी बंधान बंधते हुये सोसल मीडिया पर जिस तरह फोटो बायरल करते हुये देखा जा रहा था उसका परिणाम था कि लोगों के मोबाइल फोन हेंग होने से नही बच पा रहे थें। वही दूसरी ओर जल संरक्षण अभियान को लेकर शासन की लाखों रूपया की राशि खर्च करने में भी कोई कसर नही छोड़ी गई होगी..? मगर अब सरकारी जल स्त्रोतों से जिस तरह निर्मल नीर के बर्बाद होने के नजारे देखने मिल रही है वह प्रशासन के अधिकारियों की भूमिका पर सबाल खड़े करने से नही चूक रहे है..? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई स्थानीय नगर परिषद कार्यालय से मात्र चंद कदम दूरी पर जल सप्लाई होने वाले पाईप में लीकेज होने के कारण प्रतिदिन सैकड़ो बैरल पानी सड़को पर बहते हुये देखा जा रहा है। इस सच्चाई को देखते हुये लोग इस बात से हैरत में पड़ने से नही चूक रहे है कि जिम्मेदार संस्था का कार्यालय जब चंद कदम दूरी पर स्थित होने के बाद भी अधिकारियों की नजर में सच्चाई ओझल हो रही है तो फिर अन्य वार्डो का क्या हाल हो रहा होगा इसका अनुमान आसानी से लगाया जा सकता है..? वही दूसरी ओर इस तरह जल के बर्बाद होने की सच्चाई को लोग यह कहने से भी नही चूक रहे है कि आखिर जिस प्रकार से जिला से लेकर स्थानीय स्तर के अधिकारियों द्वारा स्कूल स्कूल पहुंचकर जल संरक्षण के लिये मुहिम छेड़ते हुये रैलियों का आयोजन किया गया था। वही खेतों झुरईयों में जाकर जिस तरह नेताओं ने सफेद कुर्ताधारण करते हुये एक टसला मिट्टी उठाते हुये अखबारों की सुर्खियों में छाने की कोई कसर नही छोड़ी गई थी क्या वह मात्र एक औपचारिकता ही थी...?

दम तोड़ रही युवाओं के लिए चलाई जा रही योजनाएं, बैकों में जाकर अटक रही फाईलें

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। जहां एक ओर प्रदेश की सरकार द्वारा शिक्षित बेरोजगारो को रोजगार मुहैया कराने के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि यह योजनाएं बैंको की मनमानी के चलते दम तोड़ रही है? गौर किया जावे तो अनेक रोजगार मूलक योजनाओं के आंकड़े बेहद चौकाने वाले है जो हर वर्ष बैंको की हठधर्मी की वजह से योजनाओं के लक्ष्य की पूर्ति नही हो पा रही है..? ऐसे में युवा की जिन्दगी संभालने के लिये चलाई जाने वाली योजनाओं के नाम पर खुद को छला महसूस कर रहे है। स्वरोजगार पाने की खातिर अनेक युवा बैंको के चक्कर काट काट कर परेशान होकर थक गये है, वही दूसरी ओर देखा जावे तो शिक्षित बेरोजगारो की उम्मीदे दम तोड़ने लगी है? बैंको द्वारा सहयोग नहीं किये जाने से विभिन्न योजनाओं के तहत स्वीकृत ऋण प्रकरणो में से आधे हितग्राही भी लाभांवित नही हो पाते। यदि सच्चाई पर गौर कया जावे तो बैंको में स्वरोजगार योजनाओं के प्रकरण भेजने के बाद वहां से शिक्षित बेरोजगारो को ऋण मिलना टेडी खीर साबित हो रहा है? युवाओं द्वारा स्वरोजगार योजनाएं के लिए दिये गये आवेदन के संबंध में जब संबंधित अधिकारियों से चर्चा की जाती है तो वहां पर बताया जाता हे कि उनके द्वारा प्रकरण तैयार करते हुए बैकों में भेज दिया गया है, मगर बैको में अधिकारी बात करने के लिए भी तैयार नही होते है, जिसके चलते प्रदेश की सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाएं लगातार फेल होती हुए जान पड़ रही है? सही मायने में देखा जावे तो युवाओं को लेकर सरकार द्वारा योजनाये संचालित करते हुये उन्हें पैरों पर खड़े करने की बात तो कही जाती है मगर वह मात्र एक औपचारिकता पूर्ण साबित होने से नही चूक पाती है।

सड़कों के किनारे लगातार बढ़ रही अतिक्रमण के चलते बन रही दुर्घटनाओं की संभावनाएं

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। नगर में खाली पड़ी हुई शासकीय भूमि पर जिसे जहां मर्जी हो रही है वहां पर अपना कब्जा जमाने से नही चूक रहा है, इस प्रकार से नगर की मुख्य माने जाने वाली सड़कों के किनारे लोगों द्वारा अपने स्वार्थ को ध्यान में रखते हुये किये जाने वाला अतिक्रमण आम लोगों की जिन्दगी के लिये पूर्ण रूप से खतरा साबित होने से नही चूक रहा है। मगर इस सच्चाई को जिस प्रकार से प्रशासन द्वारा नजर अंदाज किया जा रहा है वह चिंता जनक सच्चाई उजागर करने से नही चूक पा रहा है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय नगर के प्रमुख माने जाने वाले वायपास मार्ग पर रिलांइस पेट्रोल पंप के पास देखा जा रहा है। जहां पर बताया जाता है कि किसी पंचर सुधारने वाले व्यक्ति द्वारा किया गया अतिक्रमण निश्चित ही किसी दिन कोई बड़ी घटना को अंजाम देने से नही चूक पायेगा? क्योंकि जिस जगह यह अतिक्रमण करते हुये दूकान बनाई गई है, वही जगह वाहनों की आवाजाही के लिये प्रमुख स्थल इसलिये मानी जाती है कि जो वाहन कौड़िया की ओर से आता है वह घाट होने के कारण तेज गति से दौड़ते हुये आने से नही चूकता है।

ग्राम पंचायत रिछावर के लोगों ने सरपंच की कार्य प्रणाली पर आरोप लगाते हुये सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। कहा जाता है कि सरकार द्वारा पंचायतों के विकास के नाम पर जिस तरह राशि खर्च की जा रही है। यदि पंचायतों में उस राशि से आधा खर्च करते हुये विकास कार्य कराये जावे तो निश्चित तौर से पंचायतों की सूरत बदलने में देर नही लगेगी। मगर पंचायतों में होने वाले विकास कार्यो की सच्चाई शायद ही किसी से छिपी नही होगी। क्योंकि पंचायतों में बैठे हुये जनप्रतिनिधियों द्वारा विभिन्न मदों की राशि के माध्यम से कराये जाने वाले कार्यो की सच्चाई इस तरह से देखने मिलती है कि वह अपना पहला जन्म दिन मनाने के पहले ही नव निर्मित विकास कार्य मौके से गायब नजर आने से नही चूकते है। इस सच्चाई में पंचायत जन प्रतिनिधियों की गलती नही है। क्योंकि पंचायतों से निकलने वाली मूलाई में जनपद से लेकर जिला स्तर पर बैठे अधिकारियों की भी पूर्णरूप से हिस्सेदारी होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है। क्योंकि पंचायत द्वारा पूर्ण कराये गये किसी भी विकास कार्य पर संतुष्टि की ठप्पा तो शासकीय अधिकारी द्वारा ही लगाया जाता है। यदि अधिकारी द्वारा अपनी ओर से किसी भी कार्य में जब तक संतुष्टि प्रदान नही करता है तो उस विकास कार्य का भुगतान नही हो सकता है..? मगर तनक तनक में सभी की सोझआई के चलते शासकीय धन की होली आम बात होती चली जा रही है..? कुछ इसी प्रकार से जनपद पंचायत सांईखेड़ा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत रिछावर के लोगों द्वारा पंचायत सरपंच की कार्य प्रणाली पर गफलतबाजी का आरोप लगाते हुये अनुविभागीय अधिकारी गाडरवारा को ज्ञापन सौपा गया है। दो दर्जन से अधिक संख्या में आये हुये ग्रामीणों ने सौपे गये ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि पंचायत में खुलकर भाई भतीजा बाद चल रहा है। पंचायत के जनप्रतिनिधियों से जुडे हुये लोगों को नियम विरूद्ध शासन की योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। वही दूसरी ओर ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायतों में किये जाने वाले अनेक विकास कार्य इस तरह से देखने मिल सकती है जिनके नाम पर राशि तो निकल चुकी है। मगर मौके पर विकास कार्य हुये ही नही है। इस तरह से अन्य आरोपों से परिपूर्ण ज्ञापन सौपते हुये अभी तक हुये पंचायत के विकास कार्यो की जांच कराने की मांग की गई है।

शहपुरा और मेंहदवानी में विराजे गणेश भगवान

खबर संक्षेप

अनंत चतुर्दशी पर हुई पर हुई गणपति बप्पा की धूमधाम से विदाई

शहपुरा। विगत 10 दिनों से गणपति उत्सव क्षेत्र में बड़े ही धूमधाम से मनाया जा रहा था गणेश चतुर्थी के दिन विराजित भगवान गणेश का 10 दिनों तक भक्त जनों ने श्रद्धा भाव के साथ पूजन अर्चन किया और दसवें दिन अनंत चतुर्दशी के पावन पर्व पर भगवान गणेश का जलविहार कराया गया शहपुरा नगर सहित संपूर्ण क्षेत्र में गणपति बप्पा की धूम थी नगर में विराजित घर-घर में गणपति बप्पा का विसर्जन भक्त जनों ने नाम आंखों से किया तो वही नगर के सार्वजनिक पंडालो के गणपति भी ढोल धमाकों की थाप में धूमधाम से निकले नगर का मुख्य चल समारोह मुख्य मार्ग से होता हुआ संपन्न हुआ चल समारोह के समापन उपरांत विसर्जन कुंड में भगवान गणपति का विसर्जन किया गया चल समारोह में मुख्य रूप से आराधना गणेश उत्सव समिति बाजार चौक शंकरगंज शिव शक्ति चौक शहीद स्मारक ऋषि चौक बिरसा मुंडा चौक अस्पताल रोड सहित आधा सैकड़ा से अधिक मूर्तियां सम्मिलित हुई

शिक्षक दिवस पर दुधमनिया में हुआ नशा मुक्ति रैली का आयोजन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर 5 सितंबर शिक्षक दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत दूधमनिया के केकरपानी में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रीति सिंह, विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व डिप्टी कलेक्टर रमेश सिंह तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम पंचायत सरपंच भवन सिंह ने की। शिक्षक दिवस कार्यक्रम की शुरुआत ग्राम में निकाली गई नशा मुक्ति रैली से हुई। रैली में बड़ी संख्या में ग्रामीण, शिक्षक, विद्यार्थी एवं सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए। हाथों में तख्तियां और नारों के माध्यम से लोगों ने समाज से शराब, तम्बाकू और अन्य नशे को जड़ से खत्म करने का संदेश दिया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रीति सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि "नशा केवल व्यक्ति का नहीं बल्कि पूरे परिवार और समाज का भविष्य बर्बाद करता है। ग्रामीण जन जागरूक होकर इसे रोकने में सहयोग करें। स्वस्थ और नशा मुक्त समाज ही वास्तविक अर्थों में विकास कर सकता है। पूर्व डिप्टी कलेक्टर रमेश सिंह ने कहा कि "युवाओं को नशे से दूर रखना ही सबसे बड़ी सामाजिक सेवा है। शिक्षकों को चाहिए कि वे विद्यार्थियों में नशामुक्त जीवन की प्रेरणा जगाएँ, क्योंकि यही भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी है।

स्वावलंबन की दिशा में पहल

कार्यक्रम में मुस्कान स्वच्छता समूह द्वारा मिनी आटा चक्की का शुभारंभ किया गया, जिसका उद्घाटन श्रीमती प्रीति सिंह ने किया। उन्होंने इस पहल को महिलाओं की आत्मनिर्भरता और स्वावलंबन की दिशा में सराहनीय कदम बताया।

पर्युषण पर्व के समापन पर सकल जैन समाज ने भगवान की शोभायात्रा निकाली

डिंडोरी।

जैन धर्म का सबसे महत्वपूर्ण पर्व पर्युषण महापर्व श्रद्धा एवं भक्ति के वातावरण में डिंडोरी में संपन्न हुआ। अंतिम दिन शनिवार को सकल जैन समाज डिंडोरी द्वारा भगवान की भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें समाज के प्रत्येक वर्ग के लोग शामिल हुए। पूरा नगर धर्ममय वातावरण से सराबोर हो गया।

शोभायात्रा का शुभारंभ दुपहर को जैन मंदिर परिसर से हुआ। भगवान महावीर की प्रतिमा का विधिवत पूजन-अर्चन एवं मंगलाचरण के बाद यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों पर निकाली गई। आकर्षक झांकियों, पारंपरिक बैंड-बाजों, धार्मिक ध्वज और संगीत ने शोभायात्रा को और भी भव्य बना दिया।

महिलाओं की सहभागिता

शोभायात्रा में महिलाओं ने पारंपरिक परिधान धारण कर मंगल कलश यात्रा निकाली, जिससे वातावरण भक्तिमय हो उठा। कलश यात्रा के दौरान बालिकाओं ने गीत एवं मंगलगान प्रस्तुत किए। वही नन्हें बच्चों ने भगवान महावीर के जीवन, उनके अहिंसा, सत्य और संयम के संदेशों को झांकियों और नाट्य रूपांतरण के माध्यम से प्रस्तुत किया। यह शोभायात्रा का विशेष आकर्षण बनाशोभायात्रा के पुनः मंदिर पहुंचने के बाद सामूहिक शांतिधारा का आयोजन हुआ। समाज के वक्ताओं डॉ सुनील जैन, संजय जैन व रितेश जैन ने कहा कि "पर्युषण पर्व आत्मशुद्धि का पर्व है, जो हमें संयम, क्षमा, करुणा और अहिंसा का संदेश देता है।" इस अवसर पर सकल जैन समाज के पदाधिकारी, महिला मंडल, युवक-युवती मंडल, बच्चे और वरिष्ठजन बड़ी संख्या में शामिल हुए। नगर प्रशासन एवं पुलिस विभाग ने भी शोभायात्रा के दौरान विशेष सहयोग प्रदान किया, जिससे यात्रा शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक सम्पन्न हो सकी।

प्रस्तावित बांध का सर्वे करने गई टीम को ग्रामीणों के विरोध का करना पड़ा सामना, मेंहदवानी विकासखंड के पंगनिया गांव का मामला

डिंडौरी।

नर्मदा नदी पर प्रस्तावित बसनिया औढारी बांध को लेकर सर्वे टीम शुक्रवार को विकास खंड मेंहदवानी के पंगनिया गांव पहुंची सर्वे कार्य के लिए प्रषासनिक अमला दल बल के साथ पहुंचा था। जिसमें राजस्व अमले के साथ नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के अधिकारी और पुलिस बल भी शामिल था। इस दौरान प्रषासनिक अधिकारियों और ग्रामीणों के बीच नोंक-झोंक शुरू हो गई। ग्रामीणों ने कहा कि हम किसी भी शर्त में अपनी जमीन नहीं देना चाहते और ना ही सर्वे करवाना चाहते। ग्रामीणों के मुताबिक पांचवी अनुसूची के क्षेत्र में भूमि अधिग्रहण के लिये ग्राम सभा की सहमति आवष्यक है। आखिरकार ग्रामीणों के विरोध के बाद गांव में पहुंची सर्वे टीम को वापस लौटना पडा। मंडला जिले में भी बसनिया बांध से प्रभावित गांव में सर्वे टीम का गांव में प्रवेष वर्जित किया हुआ है। गौरतलब है, कि बसनिया औढारी बांध से डिंडौरी जिले के 13 गांव और मंडला जिले के 18 गांव का विस्थापन होना है, जिसमें 2735 परिवारों की 2443 हैक्टेयर निजी भूमि 2107 हैक्टेयर वन भूमि और 1793 हैक्टेयर शासकीय भूमि डूब में आयेगी। विभिन्न प्रभावित ग्राम सभाओं ने बसनिया बहुउद्देषीय परियोजना के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया है, जानकारी के अनुसार अभी तक इस बहुउद्देषीय परियोजना का पर्यावरणीय प्रभाव आंकलन रिपोर्ट नहीं आई है, और पर्यावरणीय मंजूरी भी नहीं मिली है। विगत दिनों डिंडौरी कलेक्टर द्वारा धारा 19 का प्रकाषन कराया गया है, जिसमें यह दर्षाया गया है, कि कितने किसानों की कितनी जमीन का अधिग्रहण होना है। इस बावद ग्रामीणों का कहना है, कि जब हम लोगों ने जमीन देने की सहमति नहीं दी है, तो इस तरह की एकतरफा कार्रवाई का क्या औचित्य है। इसी तरह विगत दिनों राघोपुर मरवारी बहुउद्देषीय नर्मदा बांध परियोजना के निर्माण को लेकर ग्रामीणों ने विरोध जताते हुये, कलेक्टेट कार्यालय में ज्ञापन सौंपा था जिसमें धारा 21 को निरस्त करने की मांग की गई थी। ज्ञापन में लेख किया गया था कि अधिनियम 2013 की धारा 21 (2) (1) के तहत व्यक्तिगत सुनवाई हेतु सूचना पत्र अनुविभागीय अधिकारी द्वारा जारी किया गया है, जिसको लेकर डूब प्रभावित क्षेत्र के किसान एवं ग्रामीणों के द्वारा आपत्ति दर्ज करते हुये राघोपुर बांध निर्माण निरस्त संबंधी निर्णय मध्यप्रदेष उच्च न्यायालय में अंतिम फैसला उपेक्षित है, इसके उपरांत भी शासन प्रषासन द्वारा बांध निर्माण संबंधित कार्रवाई की जा रही है। जो न्यायसंगत नहीं है। अधिनियम 2013 की धारा 21 (2) (1) प्रषासन द्वारा लागू की गई है। जिसमें पेड पौधे मकान की जानकारी दी गई है, वह अपूर्ण है। डूब प्रभावित किसानों को गुमराह कर निर्माण संबंधी कार्य किये जा रहे हैं, जो गैर कानूनी है। इस बावद किसानों ने मांग की थी कि बांध निर्माण कार्य को निरस्त किया जाये।

दुर्घटना के बाद अवैध पशु परिवहन का खुलासा, पुलिस ने दर्ज किया मामला

शाहपुर थाना अंतर्गत ग्राम अझवार का मामला

डिंडौरी। शाहपुर थाना अंतर्गत अझवार गांव में अवैध पशु परिवहन का मामला शनिवार को प्रकाष में आया है। अवैध पशु परिवहन में लिप्त एक वाहन के घर में घुसने के बाद मामले का खुलासा हुआ। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दो वाहनों से 13 पषुओं को बरामद करके अज्ञात के विरूद्व मामला दर्ज किया है और विवेचना शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार अझवार गांव में मवेषी से भरे दो वाहनों को ग्रामीणों ने शनिवार की सुबह देखा इन वाहनों में से एक वाहन क्रमांक एमपी 52 जेडए 9139 डॉक्टर विमल सरकार के घर के बाहर बनी बाउंड्रीवॉल में जा घुसा था। जबकि दूसरा वाहन एमपी 19 जेडएल 5329 नजदीक मैदान में खडा पाया गया। तालाषी के दौरान दोनों वाहनों में कुल 13 नग मवेषी ठूंस-ठूंस कर भरे पाये गये हैं। सूत्रों के मुताबिक यह घटना देर रात की बतलाई गई है। बताया गया है कि इन वाहनों के माध्यम से राम्हेपुर क्षेत्र से पाली की तरफ भैंसों को ले जाया जा रहा था। सूत्रों की माने तो इस इलाके से पषु तस्कर बडी तादाद में मवेषियों के अवैध परिवहन को अंजाम देते हैं, इसके पूर्व भी इस मार्ग पर पषु तस्करी और परिवहन के मामले प्रकाष में आ चुके हैं। अघोषित तौर पर अझवार मार्ग पषु तस्करी का कारीडोर साबित हो रहा है। पुलिस ने पषु क्रूरता अधिनियम और धारा 281 के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

करंजिया विकासखंड में धूमधाम से निकली गणेश विसर्जन यात्रा, गूंजे "बप्पा मोरया" के जयकारे

डिंडौरी।

करंजिया विकासखंड अंतर्गत ग्राम गोरखपुर सहित अंचल के विभिन्न गांवों में मंगलवार को गणेश विसर्जन उत्सव बड़े ही श्रद्धा और धूमधाम से मनाया गया। गांव-गांव में विराजमान भगवान श्री गणेश की प्रतिमाओं की भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जो नर्मदा नदी एवं सिवनी नदी तक पहुंची, जहां विधिपूर्वक प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। शोभायात्रा के दौरान मार्ग के दोनों ओर श्रद्धालु कतारबद्ध होकर खड़े नजर आए। लोगों ने भगवान गणेश के अंतिम दर्शन किए और आरती कर श्रद्धापूर्वक विदाई दी। पूरे वातावरण में "गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ" के जयघोष गूंजते रहे।

विसर्जन यात्रा में शामिल श्रद्धालु नाचते-गाते, भक्ति गीतों पर झूमते, आतिशबाजी करते हुए विसर्जन स्थल तक पहुंचे। बच्चे, युवा, महिलाएं और बुजुर्ग – सभी उत्साह के साथ शामिल हुए। युवाओं ने जगह-जगह गुलाल उड़ाकर और डीजे की धुनों पर थिरकते हुए उत्सव को और भी रंगीन बना दिया।

ग्राम गोरखपुर के बस स्टैंड, मंडी मोहल्ला, किसान मोहल्ला, भलखोहा रोड, पिंजराहाटोला, माधोपुर और भलखोहा की प्रतिमाओं का विसर्जन विशेष रूप से आकर्षण का केंद्र रहा। जैसे ही शोभायात्रा गांव की गलियों से निकली, जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।विसर्जन के भावुक क्षणों में कई भक्तों की आंखें नम हो गईं। बप्पा को विदा करते समय लोगों ने हाथ जोड़कर अगली बार जल्द आगमन की कामना की। संपूर्ण कार्यक्रम शांति, उत्साह और श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ।

टिकरिया गांव में धूमधाम से निकली गणेश जुलूस यात्रा, 10 गणेश प्रतिमाओं की सामूहिक विदाई

शहपुरा

टिकरिया गांव में गणेश उत्सव धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस वर्ष गांव में लगभग 10 गणेश प्रतिमाएँ स्थापित की गई थीं, जिन्हें एक साथ जोड़कर भव्य जुलूस के रूप में विदाई दी गई। गणेश जुलूस यात्रा में पूरे गांव के लोग उत्साह के साथ शामिल हुए और ढोल-नगाड़ों, डीजे तथा भजन कीर्तन की धुनों पर नृत्य करते हुए गणपति बप्पा को विदा किया।

गांव के प्रत्येक परिवार ने इस आयोजन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएँ सभी ने मिलकर गणेश जी की पूजा-अर्चना की और उनके आशीर्वाद से परिवार व गांव की सुख-समृद्धि की कामना की। जुलूस के दौरान प्रसाद का वितरण भी किया गया, जिससे आयोजन में शामिल श्रद्धालु अधिक उत्साहित दिखाई दिए। कई ग्रामीणों ने कहा कि इस तरह की संयुक्त यात्रा गांव में भाईचारे और सामाजिक एकता का प्रतीक है। गणेश प्रतिमाओं को गांव की मुख्य गलियों से होते हुए तालाब तक ले जाया गया, जहाँ विधिपूर्वक विसर्जन कर गणपति बप्पा से अगले वर्ष फिर आने की प्रार्थना की गई। पूरे कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था का भी ध्यान रखा गया और स्वयंसेवकों ने जुलूस को सुचारु रूप से संपन्न कराने में सहयोग किया। ग्रामवासियों ने इस आयोजन को लेकर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों से समाज में प्रेम, सहयोग और सांस्कृतिक धरोहर को आगे बढ़ावा मिलता है। टिकरिया गांव का यह आयोजन आसपास के गांवों के लिए भी प्रेरणास्रोत बना है।

डिंडोरी में भारत आदिवासी पार्टी की बैठक सम्पन्न, सदस्यता अभियान और कार्यकारिणी गठन पर हुआ मंथन

डिंडोरी। जिले के सतगुरु भवन में भारत आदिवासी पार्टी की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक जिला अध्यक्ष दिलीप कुमार मरावी के नेतृत्व में संपन्न हुई, जिसका उद्देश्य पार्टी के संगठनात्मक विस्तार, सदस्यता अभियान को गति देना और नई कार्यकारिणी का गठन करना था।

संगठन विस्तार की रणनीति पर चर्चा

बैठक में जिला अध्यक्ष दिलीप कुमार मरावी ने कहा कि भारत आदिवासी पार्टी का मूल उद्देश्य जिले के प्रत्येक गांव, तहसील और पंचायत तक पहुंचकर संगठन को मजबूत करना है। उन्होंने बताया कि पार्टी लाखों लोगों को सदस्य बनाकर आदिवासी समाज के मुद्दों को मजबूती से उठाना चाहती है।इस बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रीतम सिंह उईके, सिवनी जिला अध्यक्ष जोगी, जिला महामंत्री

अर्जुनलाल यादव, युवा मोर्चा के अरविंद सिंह सैयाम सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे। सभी नेताओं ने संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत करने और अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ने पर जोर दिया। पार्टी विस्तार के साथ-साथ नई कार्यकारिणी का गठन भी बैठक का एक अहम हिस्सा रहा। सर्वसम्मति से भजन सिंह पट्टा को डिंडोरी जिला संयोजक और दयाराम को समनापुर ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किया गया। यह निर्णय संगठनात्मक मजबूती की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बैठक में वक्ताओं ने आदिवासी समाज की एकजुटता और सशक्तिकरण की आवश्यकता पर बल दिया। नेताओं ने कहा कि भारत आदिवासी पार्टी का लक्ष्य समाज को मुख्यधारा की राजनीति में अग्रणी भूमिका दिलाना है और सामाजिक विकास के लिए ठोस कदम उठाना है। इस बैठक के साथ ही पूरे डिंडोरी जिले में सदस्यता अभियान की औपचारिक शुरुआत हो चुकी है। आने वाले दिनों में यह अभियान और तेज गति से चलेगा, जिससे पार्टी का जनाधार और व्यापक हो सके।

मेहदवानी मुख्यालय में बैंड-डीजे की धुन पर निकली शोभायात्रा, धूमधाम से हुआ विसर्जन

शहपुरा। डिंडौरी जिले के मेहदवानी मुख्यालय में शनिवार को विसर्जन महोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। हनुमान मंदिर सहनाटोला एवं शिव मंदिर सहनाटोला से विसर्जन के लिए विशेष तैयारियां की गई थीं। बाहर से आए ढोल, बैंड और डीजे की मधुर धुनों ने वातावरण को भक्ति और उल्लास से भर दिया। सुबह से ही ग्रामीण क्षेत्रों से लोग मेहदवानी मुख्यालय पहुंचने लगे थे। स्थानीय हनुमान मंदिर से आकर्षक शोभायात्रा का शुभारंभ हुआ। शोभायात्रा में श्रद्धालु ढोल-नगाड़ों की थाप और डीजे की धुन पर झूमते-नाचते नजर आए। रास्तेभर श्रद्धालुओं ने भक्ति गीतों और जयकारों से माहौल को भक्तिमय बना दिया। शोभायात्रा नगर के प्रमुख बाजार चौक से होते हुए तालाब तक पहुंची, जहां पूरे विधि-विधान और धार्मिक परंपराओं के साथ प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। विसर्जन के दौरान मौजूद श्रद्धालुओं ने तालाब तट पर एकजुट होकर धार्मिक अनुष्ठानों में हिस्सा लिया। इस अवसर पर मेहदवानी मुख्यालय का माहौल उत्सव जैसा रहा। विसर्जन देखने पहुंचे लोग सांस्कृतिक और धार्मिक रंग में पूरी तरह रंगे नजर आए। आयोजन ने पूरे क्षेत्र में सामाजिक एकता और श्रद्धा का अनूठा संदेश दिया।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

[करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल]

जबलपुर, रविवार 7 सितंबर 2025

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

पदम घाट में अज्ञात व्यक्ति का शव मिला

तेंदूखेड़ा। शनिवार को तेंदूखेड़ा थाना अंतर्गत नर्मदा नदी के पदम घाट पर एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला है।जिसकी सूचना पुलिस थाने में दी गई मौके पर पहुंची पुलिस ने छानबीन शुरू कर दी है। एवं आस पास ग्रामीण क्षेत्रों थानों में गुम व्यक्तियों की जानकारी की जा रही है।

पिछले साल की अपेक्षा 463 मिमी अधिक वारिस

तेंदूखेड़ा। विगत वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष सर्वाधिक वारिस अभी तक हो चुकी है।14 सितंबर तक की स्थिति में तेंदूखेड़ा तहसील में 1366 मिमी बारिश हो गई है। जबकि पिछले साल इस समय तक 903 मिमी वर्षा हुई थी।पूरा सितंबर माह अभी बाकी है। पिछले साल की अपेक्षा इस बार जहां तहां पानीं भरने के साथ बाढ़ की स्थिति के चलते गाडरवारा और डोभी सड़क मार्ग भी बंद रहा।इस वारिस का प्रभाव खरीफ मौसम की फसलों पर भी देखने को मिल रहा है।

खग्रास चंद्रग्रहण भारत में दिखेगा आज

तेंदूखेड़ा। भारतीय पंचांग के अनुसार भाद्रपद शुक्ल पक्ष पूर्णिमा आज रविवार 7 सितंबर 2025 को लगने वाला खग्रास चंद्रग्रहण संपूर्ण भारत में दिखाई देगा।यह ग्रहण शतभिषा पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र और कुंभ राशि पर होगा। चंद्र ग्रहण का स्पर्श रात्रि 9:57 बजे और मोक्ष मध्य रात्रि के बाद 1:27 बजे होगा। ग्रहण का पर्वकाल 3घंटा30मिनिट रहेगा। इसका सूतक तीन पहर अर्थात 9घंटे पहले दोपहर दिन में 12 बजकर 57 मिनिट से प्रारंभ हो जायेगा।बालक वृद्ध और रोगियों के लिए एक पहर पहले 6 बजकर 57 मिनिट से सूतक मान्य होगा। ज्योतिषाचार्य पं प्रमोद पचौरी के अनुसार मेषादि राशियों पर गृहण का फल इस प्रकार रहेगा।मेष राशि-लाभ बृष राशि-सुख मिथुन राशि-मानहानि कर्क राशि- मृत्यु तुल्य कष्ट सिंह राशि -स्त्री पीड़ा कन्या राशि -सुखलाभ तुलाराशि- चिन्ता वृश्चिक राशि- व्यथा धनुराशि -श्री प्राप्ति, मकर- क्षति कुंभ राशि- कष्ट घात व्याधि मीन राशि -हानि।जिन राशि बाले जातकों को गृहण का फल अशुभ फल दायक और कष्टदायक है उनको गृहण नहीं देखना चाहिए। गर्भवती महिलाओं को भी गृहण नहीं देखना चाहिए और विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।पूर्णिमा से श्राद्ध तर्पण प्रारम्भ हो जाते हैं अतः सूतक प्रारंभ होने के पूर्व श्राद्ध तर्पण संबंधी सभी कार्य किये जा सकेंगे।

नाटक कैकेयी का हुआ शानदार मंचन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। महाराष्ट्र समाज के तत्वाधान में रामायण के प्रमुख किरदार पर आधारित नाटक कैकेयी का शानदार मंचन जिले की अग्रणी नाट्य संस्था कला सेतु द्वारा चांदोरकर निवास प्रांगण में स्थित मुक्ताकाश मंच पर किया गया कैकेयी के जीवन पर आधारित इस नाटक में कैकेयी के अनकहे और अनसुने पहलुओं को बताया गया कैकेयी ने किस तरह अपने चरित्र पर दाग लेकर भी रघुकुल और विश्व की सुरक्षा के लिए त्याग किया इसका जीवंत चित्रण कलाकारों द्वारा किया गया प्रस्तुति इतनी मार्मिक थी की दर्शक अपने आंसू नहीं रोक पाए। कला सेतु के मीडिया प्रबंधक विक्रांत मिश्रा ने बताया की नाटक कैकेयी डॉ स्वाती चांदोरकर द्वारा लिखा एवं निर्देशित किया गया है। वृद्ध कैकेयी के किरदार में डॉ स्वाती चांदोरकर, कैकेयी के पिता महाराज अश्वपति के किरदार में विक्रांत मिश्रा, महाराज दशरथ के किरदार में प्रिंस मुडिया, युवा कैकेयी के किरदार में यशना पुरोहित, गुरु वशिष्ठ के किरदार में अनूप सेन, मंथरा के किरदार में डॉ श्वेता सिंह चैहान एवं दासी के किरदार में पिंकी रजक ने शानदार भूमिका निभाई।

अध्यक्ष व समिति सदस्यों को कारनामा

सहकारी समिति ने 50 हजार में बेच दी एनओसी

नियमों को किया दरकिनार, मनमर्जी जारी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सरकार द्वारा मछुआ संघ को बढ़ावा देने के लिए अनेकों योजनाएं संचालित कर समाज के लोगों को लाभांवित किया जा रहा है। वही प्रशासन व समिति के गैर जिम्मेदार कर्मी व सदस्यों के कारण पात्र लोगों को लाभ नहीं मिल पाता है। इसी प्रकार का मामला हरिजन मत्स्योद्योग सहकारी समिति मर्यादित बचई का सामने आया जहां पर समिति को मिली एनओसी का विक्रय किया गया। समिति के सदस्यों द्वारा विधिवत बैठक कर दूसरी समिति को 50 हजार रूपए मे एनओसी विक्रय कर दी तथा मत्स्य पालन भी प्रारंभ कर दिया गया।

मामला इस प्रकार

जनपद पंचायत नरसिंहपुर अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायात बबरिया में बने तालाब मे मत्स्य पालन के लिए जनपद पंचायत नरसिंहपुर द्वारा तालाब का पट्टा 6 अक्टूबर से 2023 से 30 जून 2033 तक दस वर्ष के लिए शिवम मछुआ स्व सहायत समूह बचई को जारी किया गया। पट्टे के शर्तो के अनुसार समूह को प्रतिवर्ष 32.922 हेक्टेयर के जलाशय पट्टे की राशि अग्रिम जमा करनी पड़ेगी तथा सभी शर्तो को मान्य करना पड़ेगा। उक्त पट्टे को हरिजन मत्स्योद्योग को परिवर्तित कर दिया गया। पट्टा लेने के बाद समिति द्वारा मत्स्य पालन

का कार्य दूसरे समूह से कराया जा रहा है।

एनओसी के लिए पैसे

हरिजन मत्स्योद्योग सहकारी समिति बचई पंजीयन क्रमांक 276 द्वारा जारी किए गए पत्र में उल्लेख किया गया है कि समिति के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष व कार्यकारिणी सदस्यों की उपस्थिति मे बैठक कर निर्णय लिया गया कि बबरिया जलाशय जो शिव मछुआ एवं स्वसहायता समूह बचई को एन ओ सी दी थी। उक्त एन ओ सी को समिति के अध्यक्ष गीता बाई कहार द्वारा हरिजन मत्स्योद्योग सहकारी समिति मर्यादित बचई को नगद 50 हजार रूपए लेकर दी गई। पत्र में यह भी उल्लेख है कि समिति का कोई भी सदस्य किसी प्रकार से कोई शिकायत नही करेगा यदि शिकायत करेगा तो उसकी समिति से सदस्यता समाप्त कर दी जावेगी।

नियमों को किया दरकिनार

सरकार द्वारा समिति के सदस्यों तथा समूह को लाभान्वित करने के उद्देश्य से पट्टा जारी कर मत्स्य पालन की स्वीकृति दी गई। लेकिन समिति के जिम्मेदारों द्वारा पैसे लेकर एनओसी का विक्रय कर दिया गया जो कि नियम विरूद्ध है। वही जानकारों की माने जो प्रशासन को समिति के विरूद्ध ठोस कार्रवाई की जानी चाहिए। सरकार का लक्ष्य है कि योजनाओं का लाभ संबंधितों को मिलना चाहिए लेकिन समिति के कारनामों से अन्य समूह को लाभ दिलाया जा रहा है। जबकि समिति द्वारा मत्स्य पालन किया जाता तो ली गई राशि से अधिक का मुनाफा समिति को होता लेकिन ऐसा ना करना कई संदेहों को भी जन्म दे रहा है।

इनका कहना है

उक्त संबंध में आपके द्वारा जानकारी दी गई है में इसकी जांच कराता हूं।

राजेश सिंह सहकारिता निरीक्षक

प्रदेश की मत्स्य पालन नीति 2008 में अनेक प्रावधान किए गए है। नरसिंहपुर जिले मे इस नीति का पालन नहीं किया जा रहा है। जिसके चलते वंशानुगत मछुआरे अपने जीविकोपार्जन कार्य से वंचित रह जाते है। यदि इसी समिति को मत्स्य पालन हेतु पट्टा दिया गया है और वह समिति इसका लाभ नही ले पार रही है तो इसकी जांच संबंधित विभाग को करना चाहिए।

अमर नौरिया, प्रदेश उपाध्यक्ष मांझी आदिवासी महासंघ

पोषण आहार सप्ताह का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. आर. बी. सिंह के मार्गदर्शन एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र एवं छात्रा इकाई के संयुक्त तत्वावधान में शिक्षक दिवस एवं पोषण आहार सप्ताह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसी परिप्रेक्ष्य में पोषण आहार सप्ताह के अवसर पर प्रश्नोत्तरी, भाषण एवं व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। शिक्षक दिवस के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महाविद्यालय प्राचार्य डॉ.आर.बी सिंह एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. सी. एस. राजहंस थे। वरि. प्राध्यापकों में डॉ एस.के. उप्रेलिया, डॉ. आलोक तिवारी, डॉ स्वाति चांदोरकर, डॉ. आर.पी. आम्रवंशी, डॉ गणेश सोनी की उपस्थिति रही। डॉ. सुधा विकरोल (मुख्य वक्ता पोषण आहार), डॉ. जी.एस. मर्सकोले, डॉ. अमित ताम्रकार डॉ. रानी कुमारी (वर्तमान कार्यक्रम अधिकारी) सहित महाविद्यालय के समस्त अध्यापकगणों की गरिमामयी उपस्थिति में

संपन्न हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्य आर.बी. सिंह ने बताया कि हमें गुरुकुल परंपरा को बढ़ाने की आवश्यकता है। साथ ही सभी प्राध्यापकों को प्रोत्साहित किया कि वे गुरु वशिष्ठ, विश्वामित्र एवं सांदीपनि जैसे गुरु बनने का प्रयास करें। उन्होंने भारतीय गुरुकुल परंपरा का संक्षिप्त में वर्णन किया और गुरु की महत्ता के बारे में बताते हुए ने कहा कि भगवान श्री राम, श्री कृष्ण को भी गुरु के ज्ञान एवं आशीर्वाद की आवश्यकता हुई और उन्होंने गुरुकुल में रहकर शिक्षा ग्रहण की। विशिष्ट अतिथि सी.एस. राजहंस ने बताया कि शिक्षकों को अपना एक मापदंड तय करना चाहिए और उन पर खरा उतरने का प्रयास करना चाहिए। कार्यक्रम में रासेयो छात्र इकाई से वेदांत दुबे, मानस गुप्ता, दलनायक दिनेश अग्रवाल, सह दलनायक विवेक साहू, सहदलनायिका राशिका चैरसिया, रूपेश नामदेव, शरद साहू, हेमंत मेहरा, प्रशांत साहू, उपस्थित रहे।

शिक्षक दिवस पर एम.आई.एम.टी. कॉलेज में हुआ गरिमामय आयोजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। वरिष्ठ शिक्षाविद एवं भारत के राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस पर 5 सितंबर को एम.आई.एम.टी. कालेज में परम्परानुसार छात्र-छात्राओं द्वारा शिक्षक सम्मान समारोह का गरिमामय आयोजन किया गया। महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा समस्त स्टाफ मेम्बर्स का भावभीना स्वागत किया गया। इसके पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ एम.आई.एम.टी. के चेयरमैन इंजी रुद्रेश तिवारी के मुख्य आतिथ्य, प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार गर्ग की अध्यक्षता तथा समस्त विभाग अध्यक्षों की उपस्थिति में दीप प्रज्वलन सरस्वती पूजन एवं डॉ. राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। उद्बोधन की श्रृंखला में मुख्य अतिथि इंजी रूद्रेश तिवारी ने महाविद्यालय के छात्र - छात्राओं के उज्जवल भविश्य की कामना करते हुये शिक्षक दिवस के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला तथा लक्ष्य निर्धारित कर कड़ी मेहनत करने की बात पर जोर दिया। प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार गर्ग द्वारा प्राचीन भारतीय ज्ञान परम्परा का उल्लेख करते हुए ऋषि-मुनियों से प्रेरणा लेकर सुसंस्कृत समाज निर्माण की बात पर बल दिया गया। साक्षी रजक, महिमा रैकवार तथा आर्या सोनी ने सरस्वती वंदना एवं अभिषेक पटेल द्वारा गणेश वंदना की गई। सांस्कृतिक कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं द्वारा एकल नृत्य, युगल नृत्य, गायन तथा समूह नृत्य की रंगारंग प्रस्तुति दी गयी। कार्यक्रम का संचालन प्रांजल पटेल, हेमा प्रधान, आस्था कश्यप एवं आभार सोनल वाधवानी द्वारा किया। कार्यक्रम में समस्त स्टाफ मेम्बर्स सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही।

गणेश विसर्जन का सिलसिला जारी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले भर मे गणेश प्रतिमा विसर्जन सिलसिला सुबह से प्रारंभ हो गया। प्रशासन द्वारा बनाए गए कुंड मे गणेश प्रतिमाओं को विसर्जित किया जा रहा है इसी के साथ दस दिन चलने वाला गणेश उत्सव सम्पन्न हुआ। सुबह से ही गलियों मे चहल पहल प्रारंभ हो गई तथा डी जे व बाजे की धुन पर लोग नाचते थिरकते नजर आ रहे थे। वही चाणक्य स्कूल द्वारा भव्य झांकी निकाली गई।

भगवत गीता का स्वाध्याय सभी करें- पटेल

गोटेगांव। श्री आदर्श शिक्षा समिति द्वारा 30 वर्षों से नगर के सेवा निवृत शिक्षकों का सम्मान समारोह आयोजित करता आ रहा है शिक्षक दिवस समारोह मध्य प्रदेश शासन के पंचायत ग्रामीण एवं श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल सेवा निर्मित गुरुओं का अभिनंदन किया कार्यक्रम में पूर्व राज्य मंत्री जालम सिंह पटेल विधायक महेंद्र नागेश नगर पालिका अध्यक्ष पूनम जितेंद्र ठाकुर नगर पालिका उपाध्यक्ष श्रद्धा पंकज चौकस राज्य पुलिस सेवा अनुविभागीय अधिकारी मनीष त्रिपाठी संतोष कुमार सिसोदिया प्राचार्य सांदीपनी हायर सेकेंडरी स्कूल नेतराम ठाकुर प्राचार्य गोटेगांव की उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित है कार्यक्रम में सेवा पूर्ण कर उनका हुआ सम्मान नेतराम ठाकुर प्राचार्य विनोद पांडे केवल चंद नामदेव भगवान दास रजक भास्करन सेन राजेंद्र सोनी गेंदालाल ठाकुर अशोक राकेशिया अशोक अग्निहोत्री दयाराम कोरी मुन्ना लाल पटेल सत्यवती नामदेव उषा मुद्दिया मंजुला राठौर अनिल राय मलखान सिंह ठाकुर आसाराम परसवार अंजना उपाध्याय उमा खंगार का सम्मान किया । वही मणिनागेंद्र सिह फाउंडेशन के द्वारा शिक्षकों को छड़ी एवं तुलसी की माला के द्वारा सम्मान किया गया नगर की पूर्व में सेवा निवृत हुए लगभग 100 श्रीधाम के शैक्षिक विद्या के दैदीप्यमाननक्षत्रो का सम्मान श्री आदर्श शिक्षा समिति द्वारा किया गया संस्था के संस्था अध्यक्ष हाकम सिंहचड़ार व्यवस्थापक राजकुमार जैन ने शिक्षक दिवस समारोह में सभी गुरुओं अभिभावकों गणमान्य नागरिकों से की उपस्थिति रही कार्यक्रम में इस वर्ष 19 सेवा निवृतशिक्षकों का सम्मान एवं पूर्व से लगभग 200 शिक्षकों का सम्मान एवंआचार्य परिवार का सम्मान किया कार्यक्रम में संस्था उपाध्यक्ष विकास जैन कोषाध्यक्ष शिवाजीराव पाटिल सह सचिव देवदत्त पचौरीमाननीय जालम सिंह पटेल पूर्व राज्य मंत्री वरिष्ठ सदस्य प्रकाशचन्द जैन बब्बा शीलचन्द जैनसुरेश चंद जैन वीर सेनसोनी सुरेश चंद्र अग्रवाल मोहन सिंह पटेल चौधरी विश्वनाथ सिंह पटेल रविशंकर पाराशर सत्यनारायण मिश्रा अनुराग जैन निखिलेश जैन सावित्री देवी जैन श्याम किशोर दीक्षित सतीश खरया चंद्रगुप्त आर्य राव संतोष सिंह पटेल ने सभी आमंत्रित अतिथियों का अभिवादन किया, शिक्षक दिवस पर अशोक राकेशिया द्वारा 21000 नेतराम ठाकुर द्वारा 11000 भगवान दास रजक केवल चंद नामदेव अशोक अग्निहोत्री राजेंद्र सोनी भास्कर सेन विनोद पांडे आसाराम परस्वार सत्यवती नामदेव सभी के द्वारा 5100 सो रुपए की राशि अलग-अलग प्राप्त की गई शिक्षक दिवस पर सरस्वती विद्यालय को कुल 82000 की राशि प्राप्त हुई संस्था व्यवस्थापक राजकुमार जैन ने सभी आचार्यों के सम्मान में 1000 की से राशि सभी आचार्यों को पुरस्कृत किया एवं उन्होंने नियमित आचार्य को 5% की राशि महंगाई के रूप में प्रदान की सभी ने करतल ध्वनि से राजकुमार जैन का अभिवादन किया।

विद्युत समस्याओं के निराकरण को लेकर किसान संघ ने ज्ञापन सौंपा

तेंदूखेड़ा। इन दिनों तेंदूखेड़ा और डोभी विद्युत वितरण केंद्र से जुड़े ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की विभिन्न समस्याओं को लेकर किसान संघ का प्रतिनिधि मंडल ने डोभी पहुंच कर समस्याओं से अवगत कराते हुए शीघ्र निराकरण की मांग की है। गौरतलब रहे कि तेंदूखेड़ा क्षेत्र में विद्युत की अघोषित कटौती जर्जर विद्युत लाइन के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में कम क्षमता वाले ट्रांसफार्मर रखे होने से बार बार लाइन फाल्ट और बोल्टेज की समस्या बनी रहती है। इनमें शीघ्र सुधार की मांग की गई है। अधिकारियों ने भी शीघ्र सुधार का आश्वासन दिया है।

गणेश विसर्जन का क्रम जारी

तेंदूखेड़ा। दस दिनों तक चले विघ्नहर्ता प्रथम देव श्री गणेश जी का महापर्व गणेशोत्सव धूमधाम से मनाया गया।दस दिनों तक आरती पूजन बंदन के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।हवन पूजन भंडारा के साथ गणेश विसर्जन का सिलसिला पिछले दो दिनों से जारी है। श्रद्धालु परम्परागत अस्थाई विसर्जन कुंडों तथा स्थानीय तालाबों नदियों में प्रतिमाओं का विर्सजन करने पहुंच रहे हैं।दस दिनों तक बाल टोलियों में अच्छा खासा उत्साह देखने को मिला।

श्रीमती मेघा पवार का आगमन आज

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। मध्यप्रदेश राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सदस्य श्रीमती मेघा पवार रविवार 7 सितम्बर को भोपाल से प्रस्थान कर रात्रि 8 बजे सर्किट हाउस नरसिंहपुर आएंगी। आप यहां रात्रि विश्राम करेंगी तथा सोमवार 8 सितम्बर को दोपहर 12 बजे सतना जिले के लिए प्रस्थान करेंगी।

इलाज के दौरान मौत*

गोटेगांव बीते दिनों इमलिया से चांदनखेड़ा मार्ग पर बीते 28 अगस्त को सड़क दुर्घटना में घायल गुमताबाई की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। जिसकी डायरी आने पर पुलिस ने मर्ग प्रकरण कायम करके सत्यम विश्वकर्मा पर मामला दर्ज किया है।

तीन अलग-अलग गुमइंसान के तहत मामला दर्ज

गोटेगांव विगतदिवस पुलिस थाना गोटेगांव के झांसीघाट निवासी संजीव साहू 40 साल अपने घर से बिना बताए कहीं चला गया। ऐसे ही एक और मामले में एक गांव का 16 वर्षीय किशोर को अज्ञात बहला फुसला कर ले जाने पर परिवारजनों ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

सरकारी अस्पताल में एक दिन 250 तक पहुंच रही ओपीडी

तेंदूखेड़ा। इन दिनों तेंदूखेड़ा सहित आस पास ग्रामीण क्षेत्रों में मौसमी बीमारियों सर्दी-जुकाम बुखार ने अपने पैर पसार रखे हैं।हर घर में एक से दो मरीज बिस्तरों पर पड़े हुए हैं। वहीं सरकारी अस्पतालों में मरीजों की लंबी-लंबी कतारें देखने को मिल रही है। प्रतिदिन 250 से अधिक मरीज उपचार हेतु अस्पताल में पहुंच रहें हैं।डाक्टरों की टीम उपचार कर आवश्यक सलाह भी दे रहें हैं। वहीं अस्पताल में होने वाली खून के साथ विभिन्न प्रकार की जांचो में भी लंबी-लंबी कतारें लगी हुई है। अस्पताल के पलंग फुल भरे हुए हैं। चूंकि सर्वाधिक मरीज वायरल बुखार के ही आ रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों से जरुर डेंगू के लक्षण वाले कुछ मरीज देखने को मिले हैं जिन्हें आवश्यक उपचार के साथ सावधानी और मच्छरों की रोकथाम घरों के समीप पानी भराव ना होने देने की सलाह दी जा रही है। गौरतलब रहे कि इन दिनों तेंदूखेड़ा क्षेत्र में जारी वारिस के कारण जहां तहां जल भराव की स्थिति बनी हुई है। और ग्रामीण क्षेत्रों में साफ सफाई का अभाव बना हुआ है। बरसात का पानी जहां तहां भर गया है।यही बरसात का पानी जलस्त्रोतों में पहुंचता है।जिसे हम हम हेंडपंपो के माध्यम से पीने के उपयोग में लेते हैं। शुरुआत का यह दूषित पानी हमारे लिए पीड़ा दायक हो रहा है। बहुत सी बीमारियां केवल पानी से ही उत्पन्न हो रही है। सभी लोगों को पानी उबालकर छानकर या आरो का पानी पीने की सलाह दी जा रही है। छोटी-छोटी सी बातों को ध्यान में रखकर यदि सुधार हो जाता है तो विभिन्न प्रकार की व्याधियों से बच सकते हैं। जल भराव से मच्छर पनपते हैं। जिनसे मलेरिया और डेंगू जैसे मच्छर बढ़ते हैं।इनके काटने से डेंगू और मलेरिया बुखार बढ़ने की समस्या बढ़ जाती है।इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। तत्काल समीप के अस्पताल में जांच करानी चाहिए। और समुचित इलाज लेना चाहिए।

ईद मिलादुन्नबी पर नगर में निकला जुलूस, जगह-जगह हुए लंगर

गोटेगांव विगतदिवस मुस्लिम समाज ने ईद मिलादुन्नवी के पर्व पर शुक्रवार को दोपहर के समय सकुर बाबा की मजार से धूमधाम से जुलूस निकाला। भाइचारे का संदेश दिया। इस जुलूस में वाहनों के ऊपर विभिन्न मदिना शरीफ की झांकिया लगाई गईं जो आकर्षण का केंद्र रहीं। जगह-जगह पर समाज के सदस्यों ने लंगर की व्यवस्था करके जुलूस में मौजूद समाज के सदस्यों को मिष्ठान वितरण करके मुंह मीठा कराया। यह जुलूस धूमधाम के साथ नगर के प्रमुख मार्गो से निकाला गया। जुलूस का समापन सकूर बाबा की मजार पर हुआ। ईद मिलादुन्नवी के मौके पर सुबह से ही समाज के लोगों में उत्साह रहा, मुस्लिम बाहुल्य वार्डो में लोगों की चहल-पहल रही। बच्चे सुबह से ही जुलूस में शामिल होने के लिए तैयार रहे और उनमें उत्साह अधिक दिखा। जुलूस के दौरान कहीं कोई अव्यवस्था न फैले इसके लिए जगह-जगह पुलिस का बल तैनात रहा और जुलूस वाले मार्ग पर यातायात को बेहतर बनाने जुटा रहा।

श्रीनगर में जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी मोहम्मद पैगंबर के जन्मदिन पर ग्राम श्रीनगर में एकता की मिसाल देखी गई समस्त ग्रामवासी हिंदू मुस्लिम एकता के साथ सभी ने एक दूसरे को गले मिलकर बधाई दी एवं सभी ने ग्राम में जुलूस में शामिल होकर हिंदू मुस्लिम एकता का परिचय दिया। मुसलमान भाइयों ने भी अपने ग्राम के समस्त बुजुर्गों को सभी धर्म के लोगों को बुलाकर सम्मान किया एवं उन्हें शुभकामनाएं दी। एवं मुस्लिम वर्ग के लोगों ने हिन्दू धर्म के लोगों का फुल गुलगसता से स्वागत किया, यह जुलूस जमा मस्जिद श्रीनगर से प्रारंभ हुआ जहां जगह-जगह लोगों ने जुलूस का स्वागत किया एवं बस स्टैंड श्रीनगर पहुंचा जहां कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जुलूस का समापन जमा मस्जिद श्रीनगर में किया गया वहीं बाहर से आए कव्वाल ने अपनी कव्वाली में भारत की एकता का गाना गाया

नाम सुधार सूचना

मैं ब्रजेश चौकसे पिता श्री भगवत चरण चौकसे, निवासी गनेश गंज वार्ड करेली तहसील करेली जिला नरसिंहपुर म.प्र. उपरोक्त पते का निवासी हूं। मेरे ड्राईविंग लाईसेंस कमांक MP49/000434/06 में मेरा नाम ब्रजेश कुमार चौकसे BRAJESH KUMAR CHOUKSE दर्ज है तथा मेरे आधार कार्ड नंबर 5948 9749 1131 में पेन कार्ड में एवं अंकसूची में मेरा नाम ब्रजेश चौकसे BRAJESH CHOUKSE दर्ज है। ब्रजेश कुमार चौकसे BRAJESH KUMAR CHOUKSE एवं ब्रजेश चौकसे BRAJESH CHOUKSE ये दोनों नाम एक ही व्यक्ति यानि मेरे ही हैं । मैं अपने उक्त ड्राईविंग लाईसेंस में अपना नाम आधार कार्ड / पेन कार्ड / अंकसूची की भांति दर्ज कराना चाहता हूँ मेरे ड्राईविंग लाईसेंस एवं आरटीओ रिकार्ड में मेरा नाम ब्रजेश कुमार चौकसे BRAJESH KUMAR CHOUKSE के स्थान पर ब्रजेश चौकसे BRAJESH CHOUKSE दर्ज किया जावे। उपरोक्त प्रकार से नाम / सरनेम परिवर्तित करने से भविष्य में किसी प्रकार की कोई समस्या उत्पन्न होती है तो उसकी संपूर्ण जबाबदारी मेरी स्वयं की होगी ।